कांग्रेस अध्यक्ष का भाषण
जनसभा–डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र
इटवा–सिद्धार्थनगर (उत्तर प्रदेश)
17 अप्रैल, 2009

बुजुर्गो, बहनो और भाइयो,

मैं इस पवित्र भूमि को प्रणाम करती हूं।

देश भर में लोकसभा के लिए चुनाव हो रहे हैं। यह एक राष्ट्रीय चुनाव हैं। इस मौक़े पर आज मैं आपके बीच आयी हूं। आपसे कांग्रेस के लिए जनादेश मांगने आयी हूं। आपको फ़ैसला करना है, कि अगले पांच सालों के लिए भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। फ़ैसला करने से पहले आज़ादी से लेकर नये भारत के निर्माण तक के कांग्रेस के कामों को और हमारे विरोधियों के कामों को अपने सामने ज़रूर रखें।

आप सबको मालूम ही है, कि देश को आज़ाद कराने के बाद हमारे महान् नेताओं ने एक नये भारत के निर्माण का काम शुरू किया। पूरे देश में उद्योगों, कारखानों, बड़े–बड़े पुल, बांध, नहरों का निर्माण किया, बिजली–घर लगाए। बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया और जीवन बीमा निगम जैसी संस्था खोली। हरित–क्रांति लाए। दलितों और आदिवासियों को कानूनी तौर पर आरक्षण दिया। इतना ही नहीं, देश के दुश्मनों को हरा कर दुनिया का नक्शा तक बदला। पंचायत–राज संस्थाओं में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण द्वारा मेरी प्यारी बहनों को नेतृत्व का मौक़ा दिया। आज गांव–गांव के लोगों के हाथ में मोबाइल टेलीफ़ोन, जगह–जगह कम्प्यूटर जो दिखायी पड़ रहे हैं, वह भी कांग्रेस की दृष्टि का नतीजा है।इसी तरह दो हज़ार चार में जब से केंद्र में डॉ0 मनमोहन सिंह जी के नेतृत्व में हमारी सरकार बनी, उसने तमाम ऐतिहासिक योजनाओं और कार्यक्रमों की शुरुआत की।

मिसाल के तौर पर देश भर में राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना लागू किया, ताकि गांवों के ज़रूरतमंद लोगों को कम से कम सौ दिनों के रोज़गार की सुरक्षा मिल सके। बच्चों के लिए दोपहर के भोजन योजना के चलते आज पंद्रह करोड़ मासूमों को रोज़ खाना मिल रहा है, इससे स्कूलों में बच्चों की मौजूदगी बढ़ी है। युवाओं को ध्यान में रखकर हमने कॉलेजों, विश्व–विद्यालयों, Technical Training संस्थानों, Information Technology और Management Institutes की संख्या ज़बर्दस्त बढ़ायी है, और हर ज़रूरतमंद छात्र को Scholarship और कर्ज़ भी मिले हैं। हमें मालूम है, कि हमारे किसान भाइयों को कभी सूखा, तो कभी बाढ़, तो कभी कर्ज़, तो कभी दूसरी परेशानियों से जूझना पड़ता है। इसी सबको ध्यान में रखकर हमने पैंसठ हज़ार करोड़ रुपये के कर्ज़ माफ़ किए, बैंक ऋण की दरों को घटाया और उनकी फ़सल ख़रीद की दरों को इतना बढ़ाया, जितना पहले कभी नहीं हुआ। सिंचाई की सुविधाओं को भी बढ़ाया। अक़्लियतों के उत्थान के लिए पहली बार अलग से मंत्रालय बनाने के साथ ही सच्चर कमेटी की सिफ़ारिशों पर अमल हो रहा है। उनके बच्चे, दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के बच्चों को Scholarship दी जा रही है। असंगठित क्षेत्र के मज़दूरों के हक़ में कानून बनाने के साथ ही बीमा योजना और वृद्धावस्था पेंशन योजना लागू किया है। महिलाओं के हित में तमाम योजनाएं शुरू की हैं। गांवों और शहरों का बुनियादी ढांचा मज़बूत किया जा रहा है। यह हमारे संघर्षों और नेक इरादों का ही नतीजा है। हमारे ख़िलाफ़ खड़ी पार्टियों के लोगों से भी पूछिए, कि उन्होंने अपने शासन–काल में, देश की जनता के हित में, आपके हित में इस तरह के काम क्यों नहीं किए?

आज भी हमारे सामने चुनौतियां हैं। आतंकवाद भी एक ऐसी ही चुनौती है।

हमारे देश के दुश्मन हमारी प्रगति में तरह–तरह की बाधाएं खड़ी करने की कोशिश करते हैं। आतंकवाद भी एक ऐसी ही कोशिश है। कांग्रेस हमेशा आतंकवाद से लड़ती आयी है, यहां तक कि इंदिरा जी और राजीव जी जैसे अपने महान् नेताओं का बलिदान किया है। आतंकवाद के ख़िलाफ़ लड़ाई के लिए कांग्रेस को किसी के Certificate की ज़रूरत नहीं है। हम कुछ पार्टियों और उनके नेताओं की तरह आतंक के आगे न कभी झुके हैं, न कभी झुकेंगे। मुंबई में जो कुछ हुआ और हमने जो कूटनीतिक दबाव बनाया, उससे पाकिस्तान को सचाई स्वीकार करना पड़ा, कि इसमें शामिल लोग उनके ही देश के थे।

आज एक तरफ़ कांग्रेस है, जिसने सबको साथ लेकर विकास का रास्ता अपनाया है, तो दूसरी तरफ़ ऐसे लोग हैं, जो अपने निजी स्वार्थ के लिए, जाति, धर्म और संप्रदाय के नाम पर लोगों के बीच ज़हर फैलाकर, नफ़रत की दीवारें खड़ी करके सत्ता तक पहुंचना चाहते हैं।

हमारा देश अनेकता में एकता का देश है, हमें सबको साथ लेकर चलना है। जिन्हें कम अवसर मिले हैं, उन्हें अवसर देने हैं। इसीलिए हमने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए काम किया है।

मैं जानती हूं, कि आपके यहां की अपनी कुछ समस्याएं भी हैं। यहां ग़ैर–कांग्रेसी सरकारों की उपेक्षा के कारण विकास के काम ठप्प हो गये हैं। बुनकरों की तरफ़ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोग बेरोज़गार हो रहे हैं, बिजली की कमी है। केंद्र से हज़ारों–हज़ारों करोड़ रुपये प्रदेश के विकास के कामों और आपकी समस्याओं को हल करने के लिए राज्य सरकार को दिए गये, लेकिन इसका इस्तेमाल कहां हुआ, यह आपको उनसे पूछना चाहिए।

हम नहीं चाहते, कि जिस तरह इस प्रदेश में पिछले पंद्रह–बीस वर्षों में काम हुआ है और हो रहा है, उसी तरह देश में भी हो। हम चाहते हैं, कि जिस तरह पिछले पांच सालों में हमारी केंद्र सरकार ने काम किए हैं और जो योजनाएं और कार्यक्रम आप सबके हित में शुरू किए हैं, उन्हें और बड़े पैमाने पर ज़बर्दस्त ढंग से चला सकें और अगले पांच सालों के लिए अपने घोषणा–पत्र में जो वादे किए हैं, उन्हें पूरी निष्ठा के साथ पूरा कर सकें। यह तभी संभव है, जब केंद्र में एक स्थिर, मज़बूत, दूर–दर्शी, अनुभवी और ईमानदार सरकार हो।

यह लोकसभा चुनाव है। राष्ट्रीय चुनाव है। अपना निर्णय लेते समय आप याद रखें कि देश के हर नागरिक को सुरक्षा, संमान और खुशहाली देने की क्षमता केवल कांग्रेस पार्टी में है

इसलिए मेरा निवेदन है कि चुनाव के दिन सही फ़ैसला करके अपना एक–एक वोट कांग्रेस को देकर हमारे सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से जिताकर, केंद्र में एक स्थायी, मज़बूत और Secular सरकार बनाने में अपना योगदान दें।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबको दूर–दूर से इस सभा में आने के लिए धन्यवाद देती हूं।

जय–हिंद।